दैनिक भास्कर

दौसा भास्कर 16-11-2022

प्रस्तावित आदर्श जैविक गांव में किसानों को खाद और दवाई का निशुल्क वितरण किया

जैविक पद्धति से खेती करने की जानकारी दी

भास्कर न्यूज | लालसोट

उपखंड के थालोज ग्राम में कट्स इंटरनेशनल जयपुर एवं एचजीवीएस दौसा के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को जैविक पद्धति से कृषि कार्य करने के बारे में जानकारी दी गई।

राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय से एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सुभाष पहाड़िया ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि घर घर में जैविक पोषण वाटिका को लगाने तथा रसायनिक खाद के उपयोग से बचाने से विलुप्त हो रही अनेक जीव-जंतुओं तथा पक्षियों की प्रजाति को संरक्षण दिया जा सकता है तथा हो रही है तथा जैव विविधता को संरक्षण दे कर प्रकृति के साथ बेहतर संतुलन कायम किया जा सकता है।

उन्होंने रासायनिक खाद तथा जैविक खाद के उपयोग से होने वाले लाभ तथा हानि के बारे में जानकारी दी।जैविक तरीके से घर-घर में यह पोषण वाटिका अगर लग जाएगी तो इससे आने वाले समय में किसान वर्ग जागरूक होकर के ज्यादा से ज्यादा जैविक की तरफ बढ़ेंगे और रासायनिक खेती से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में जागरूक हो सकेंगे।

लालसोट। किसानों को जैविक खाद ,दवा तथा बीज वितरित करते अधिकारी।

वहीं दूसरी तरफ इस कार्यक्रम से आने वाले समय में प्रकृति में सुधार के साथ-साथ पशु पक्षी जीव जंतु प्राणी मात्र का स्वास्थ्य लाभ देखने को मिलेंगे।

जैविक कृषि में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी प्रगतिशील कृषक महिला रूबी पारीक ने इस कार्य को किसान हित में सर्वश्रेष्ठ कार्य बताया और उन्होंने कहा कि किसान वर्ग को किसी न किसी स्तर से जैविक खेती की तरफ आना ही होगा। क्यों नहीं एक विकल्प यह भी हो सकता है कि घर घर में लगाई जा रही जैविक पोषण वाटिका ही वरदान का कार्य कर जाए और सभी किसानों के लिए यह है। कार्यक्रम सार्थक परिणाम देने वाला बन जाए।

कट्स कार्यक्रम अधिकारी निमिषा गौड़ ने बताया कि यह परियोजना राजस्थान के 12 जिलों में चल रही है। जिसमें और जिलों को भी यहां से सीखने का मौका मिलेगा।

जैविक कृषि विशेषज्ञ राजदीप ने जैविक कृषि में आने वाले आदान घर पर ही कैसे तैयार किए जाते हैं की जानकारी दी ।ओ पी पारीक ने बताया कि जिले में 1 गांव का चयन करके उस गांव को आने वाले समय में 3 से 4 साल के अंदर संपूर्ण रुप से जैविक प्रमाणीकरण कराकर के किसानों को लाभ देने की ओर ले जाने का प्रयास है। इस अवसर पर सैकड़ों की तादाद में किसानों ने भाग लिया तथा मौके पर निशुल्क जैविक बीज, दवा और खाद वितरित किए गए।

का आयोजन होगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय के स्काउट प्रभारी सोहनलाल जांगिड़ के सान्निध्य में विद्यालय के स्काउट स्काउट गाइड भी भाग लेंगे। इसमें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। (निसं)

रैली में जयपुर के हजारों लोग शामिल होंगे। (निसं)

17.11.2022

दो दिवसीय कार्यशाला में महिला कृषकों को दिया प्रशिक्षण

ग्राम देवथला में विकसित होगा आदर्श ग्राम किचन गार्डन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चौमूं. महिला कृषक कार्यशाला में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी व अधिकारी।

चौमूं. उपखंड के आदर्श ग्राम बाढ़ देवथला में आदर्श ग्राम किचन गार्डन विकसित करने को लेकर चल रही दो दिवसीय महिला कृषक कार्यशाला का समापन बुधवार को हुआ। जानकारी अनुसार स्वडीस सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन एंड कंजूमर यूनिटी ट्रस्ट सोसायटी कट्स जयपुर के आर्थिक सहयोग से अवेयरनेस ट्रेनिंग एंड मोटिवेशन फॉर एक्शन (आत्मा) संस्थान जगमालपुरा जोबनेर जयपुर किया गया। इस दौरान जैविक खेती को लेकर महिलाओं किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कट्स जयपुर के प्रोग्राम अधिकारी दीपक सक्सेना एवं राजदीप पारीक ने आदर्श ग्राम में हर घर में किचन गार्डन विकसित करने के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर 60 महिला-पुरुष प्रशिक्षणार्थियों को बीज वितरित किए। विनोद कुमार शर्मा ने जैविक तरीके से बीज विकसित करने के बारें में जानकारी दी। कार्यशाला में किसान संघ के जिला प्रमुख जगदीश, संभाग जैविक प्रमुख रामेश्वर प्रसाद सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। (निसं)

Qualificat
55%, M.E
Yrs Teach
Teacher
Institution
Lecturer
Perspect
Science-
anities &
Science
Languag
English,
Qualific
50%, M
(Edu.)-
Teache
.50% wi
D.El.Ed
Philoso
psycho
Fine Art &
Physica
interes
may se
Bio-d
docum
days
आ
प्राचार्य
टैगोर
शेखपुर
प्राचार्य -
M.A
योग्यता
UGC ए
के नियम
7 दि
tagorett

रूपाहेली में पोषण वाटिका विकसित करने के लिए महिलाओं का प्रशिक्षण सम्पन्न

•दास्ताने भीलवाड़ा @ भीलवाड़ा

कट्स संस्थान द्वारा स्वीडिश सोसाइटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के सहयोग से राजस्थान में उपभोक्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सतत् उपभोग की गतिविधियों एवं जैविक उपभोग व उत्पादन को बढ़ाते हुए जीवन शैली की संस्कृति का विकास करना प्रोस्कोप परियोजना के तहत जैविक आदर्श ग्राम बनाने के लिए भीलवाड़ा के रूपाहेली, सुवाणा ब्लाक में प्रथम दिन का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. सुचित्रा दाधिच, प्रोफेसर, कृषि अनुसंधान केन्द्र ने बताया कि आदर्श ग्राम विकसित करने के लिए प्रत्येक घर में जैविक सब्जियों की पोषण वाटिका तैयार करनी होगी, उन्होंने जैविक सब्जियों में लगने वाली बीमारियों की रोकथाम, जैविक खाद एवं कीटनाशक बनाने के तरीके के बारे में बताया।

कट्स संस्थान के राजदीप पारीक, कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि भीलवाडा जिले में रूपाहेली गांव को आदर्श जैविक ग्राम बनाने के लिए 50 घरो की प्रत्येक महिला अपने घर पर एक पोषण वाटिका तैयार करे जिससे घर में उपयोग होने वाली सब्जियो का उपयोग अपने घर में कर सके। गोवर्धन लाल पारीक, क्रायकर्म सहायक ने कार्यकर्म का संचालन करते हुए प्रशिक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं को धन्यवाद देते आभार व्यक्त किया।

इस दौरान रूपाहेली ग्राम पंचायत के सरपंच गीता देवी जाट, सचिव विनोद सोनी, पंचायत सहायक आरती मराठा, ग्राम साथीन सीमा पारीक, आंगनवाडी कार्यकर्ता ललिता तिवाड़ी, आंगनवाड़ी सहायिका धापू जैन, कट्स संस्थान के क्रायकर्म सहायक निर्मला पुरोहित एवं प्रतिमा जैन ने मौजूद थी।

महुडिया गॉव में पोषण वाटिका पर दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

@कांठल की आवाज । प्रतापगढ़

कट्स मानव विकास केन्द द्वारा बुधवार को महुड़िया गॉव में पोषण वाटिका पर दो दिवसीय प्रषिक्षण का समापन किया गया। कट्स के वरिष्ठ कायर्क्रम अधिकारी मदनगिरी गोस्वामी ने बताया कि कट्स की ओर से संचालित प्रोस्कोप परियोजना के तहत महुडिया गॉव का जैविक गॉव के रूप में चयन किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र प्रतापगढ का तकनिकि सहयोग लेकर चार वर्ष तक जैविक खेती सम्बन्धित गतिविधी आयोजित कि जाऐगी।

प्रथम चरण में आयोजित पोषण वाटिका प्रषिक्षण में संदर्भ व्यक्ति के रूप में पोषण कायर्क्रम प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र चितौड़गढ़ से दीपा ईन्दोरिया ने पोषण वाटिका लगाने की प्रक्रिया एवं देखभाल के बारे में जानकारी देकर महिलाओं में होने वाली खुन की कमी को दुर करने के लिए दैनिक जीवनचर्या में सब्जिओं का अधिक उपयोग करनेएपोषण युक्त रोटी के लिए गेहु के साथ चना जौ सोयाबीन चावल उचित मात्रा में मिक्स करके आटा तैयार करने की विधी भी बताई।

प्रषिक्षण में जैविक जागरूक किसान मागीलाल जणवा बंशीलाल धाकड़ ने भी जैविक खेती के फायदे और जैविक खेती प्रारम्भ करने के तरिके बताए। प्रषिक्षण में समापन अवसर पर चारभुजा जैविक किसान क्लब का गठन किया गया। जिसमें 5 महिलाओं सहित 13 पुरूषों का चयन किया गया। क्लब द्वार अपने अपने खेतों व घरों में पोषण वाटिका लगानें का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पालक एधनियाए मोगरी मैथी के बीज वितरीत किए गये। कायर्कम का संचालन गायत्री मौड़ ने किया। व आभार राजेष कुमार बिष्नोई ने व्यक्त किया। प्रषिक्षण में महुड़िया गॉव कि 53 महिलाओं सहित 137 किसानों कि सहभागिता रही।

डीडवाडी ने बढ़ाए आदर्श जैविक ग्राम बनने को कदम

बौंली (हुक्मनामा समाचार)। सवाईमाधोपुर जिले के ब्लॉक बौंली के ग्राम डीडवाड़ी की महिलाओं ने जैविक खेती के महत्व को समझ कर हर घर पोषण वाटिका के माध्यम से जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाने का पहला प्रयास प्रारम्भ किया है। गौरतलब है कि कट्स इंटरनेशनल संस्था द्वारा दपाल फाउंडेशन के साथ मिल कर आदर्श जैविक ग्राम बनाने को लेकर ग्राम डीडवाड़ी मे आंगनवाडी केंद्र प्रथम पर पोषण वाटिका को ले कर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन किया गया। सोमवार से आयोजित प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस कट्स के परियोजना अधिकारी दीपक सक्सेना ने कट्स कि प्रोस्कोप परियोजना व कट्स के उद्देश्यों के बारे मे जानकारी दी, इस दौरान राजीविका से अंजली राजावत ने पोषण वाटिका के महत्व को समझाया।परियोजना के जिला संयोजक संतोष स्वामी ने जैविक खेती के महत्व को समझाते हुए पोषण वाटिका तैयार करने व जैविक खाद बीज के बारे मे जानकारी दी। इसी प्रकार प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षु महिलाओं को

ग्राम विकासित पोषण वाटिका का भ्रमण करा डिमोंस्टेशन करके दिखाया गया। इस दौरान 50 महिलाओं का एक कलस्टर भी बनाया गया जिसकी सर्वसम्मति से अनीता गुप्ता को कलस्टर अध्यक्ष बनाया गया। अंत मे आँगनवाड़ी कार्यकर्ता भगवती देवी, अंजली राजावत व जिला संयोजक संतोष स्वामी द्वारा जैविक बीज किट वितरित कर ग्राम डीडवाड़ी को जैविक ग्राम बनाने के संकल्प के साथ प्रशिक्षण का समापन किया गया।

पोषण वाटिका लगाकर महिलाएं वर्ष में कर सकती हैं सात हजार रुपए की बचत -राजदीप

स्मार्ट हलचल

डूंगरपुर साबला, यदि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं पांच क्यारी में पोषण वाटिका लगाकर उसमे सब्जियां और फलदार पौधे लगाती है तो परिवार में सात हजार रुपए की बचत कर सकती है। साथ ही पूरे परिवार को वर्षभर ताजा और शुद्ध सब्जियां उपलब्ध होगी 7 जिससे परिवार के स्वास्थ्य में सुधार होगा। उक्त विचार कट्स जयपुर के राजदीप पारीक ने खानन ग्राम पंचायत के नई बस्ती गांव में आयोजित पोषण वाटिका प्रशिक्षण के दौरान व्यक्त किए।

ग्रामीण विकास संस्थान के हरिराम लबाना ने बताया की कट्स जयपुर एवं स्वीडिश सोसायटी फॉर

नेचर कंजर्वेशन के सहयोग से प्रोस्कॉप परियोजना जो की राजस्थान के 12 जिलों में संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत सभी जिलों में मॉडल जैविक गांव बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

कार्यशाला के दौरान लबाना ने सभी का स्वागत करते हुए बताया की पोषण वाटिका प्रशिक्षण के माध्यम से जैविक ग्राम बनाने की दिशा में सभी घरों में पोषण वाटिका विकसित करवाई जाएगी।

कृषि पर्यवेक्षक किशोर कुमार, ने किसानो को जैविक खेती के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं एवं कीट प्रबंधन, रोग प्रबंधन, पोषण प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सरपंच लाल शंकर ने सभी प्रतिभागियों को जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सब्जियों की पौध तैयार करने एवं पोषण वाटिका की रूपरेखा बनाने का प्रदर्शन भी किया गया 7 तथा सभी महिलाओं को सब्जियों के बीज वितरित किए गए। प्रशिक्षण को आयोजित करवाने में गौतम लाल, शंकर लाल, लाल शंकर,रमीला आदि का सहयोग रहा। कार्यशाला में नई बस्ती गांव की 50 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

क्रिकेट मैच में व्हाइट हाउस टीम, कबड्डी के लिए पूर्ण योगदान दिया।

पोषण वाटिका से परिवार के स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्थिति में होगा सुधार- राजदी

झालरापाटन 22 दिसम्बर ''पाटन एक्सप्रेस दै.''। यदि ग्रामीण क्षैत्र की महिलाए पांच क्यारी में पोषण वाटिका लगाकर उसमे सब्जियां और फ्लदार पौधे लगाती है तो परिवार में सात हजार रुपए की बचत कर सकती है। साथ ही पूरे परिवार को वर्षभर ताजा और शुद्ध सब्जियां उपलब्ध होगी जिससे परिवार के स्वास्थ्य में सुधार होगा। उक्त विचार कट्स जयपुर के राजदीप पारीक ने डूंगर गांव ग्राम पंचायत के सेमली गोकुल गांव में आयोजित पोषण वाटिका प्रशिक्षण के दौरान व्यक्त किए।

सामाजिक विकास संस्थान के नाथू राम चौधरी ने बताया की कट्स जयपुर एवं स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के सहयोग से प्रोस्कॉप परियोजना जो की राजस्थान के 12 जिलों में संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत सभी जिलों में मॉडल जैविक गांव बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

कार्यशाला के दौरान नाथू राम ने सभी का स्वागत करते हुए बताया की पोषण वाटिका प्रशिक्षण के माध्यम से जैविक ग्राम बनाने की दिशा में सभी घरों में पोषण वाटिका विकसित करवाई जाएगी।कृषि पर्यवेक्षक राजाराम नागर, प्रवीण कुमार एवं रामबाबू पाटीदार ने किसानो को जैविक खेती के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं एवं कीट प्रबंधन, रोग प्रबंधन, पोषण प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी। वार्ड पंच लाल कैलाश बैरवा ने सभी प्रतिभागियों को जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओ को सब्जियों की पौध तैयार करने एवम पोषण वाटिका की रूपरेखा बनाने का प्रदर्शन भी किया गया तथा सभी महिलाओ को सब्जियों के बीज वितरित किए गए। प्रशिक्षण को आयोजित करवाने में राजेंद्र, बाली बाई, निशा,हेमलता आदि का सहयोग रहा। कार्यशाला में नई बस्ती गांव की 50 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

जैविक पोषण से जीवन स्तर में होगी सुधार

स्मार्ट हलचल । बीगोद

धाकड़ खेड़ी ग़ांव में महिला किसानों को जैविक पोषण वाटिका विकसित करने एवं जैविक खेती की करने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए कृषि अधिकारी देवेंद्र तेली ने बताया कि कट्स संस्थान द्वारा स्वीडिश सोसायटी फ़ॉर नेचर कंजर्वेशन के सहयोग से जैविक उपभोग एवं उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जैविक पोषण प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

जिसमे महिला किसानों को जैविक तरीके से खेती करने एवं घरों में पोषण वाटिका लगाने का तरीका बताया जाएगा।

सरपंच राधा बाई धाकड़ ने महिलाओं को देशी तरीके से खेती करने की बात कही। कृषि विभाग के बीएम सेन, एएनएम सरोज यादव, गौरव चर्तुवेदी, गोर्वधन पारीक ने भी विचार व्यक्त किए। पोषण वाटिका लगाने के लिए महिला किसानों को जैविक बीज भी वितरण किए गए।

दो दिवसीय जैविक पोषण वाटिका प्रशिक्षण ग्राम घघटाना मे सम्पन

कोटा । रामकृष्ण शिक्षण संस्थान कोटा एवं कट्स इंटरनेशनल जयपुर के सयुक्त तत्वाधान मे स्वीडिश सोसाइटी फॉर नेचर कंजरवेशन के सहयोग से संचालित ₹राजस्थान मे उपभोक्ताओ की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सतत उपभोग की गतिविधियों एवं जैविक उपभोग व उत्पादन को बढ़ाते हुए जीवन शैली की संस्कृति का विकास करना, प्रो स्कोप परियोजना के तहत जैविक आदर्श ग्राम बनाने के लिए ग्राम घघटाना ग्राम पंचायत- मानसगाँव, ब्लॉक- लाडपुरा,कोटा मे दो दिवसीय ग्राम स्तरीय पोषण वाटिका प्रशिक्षण आयोजित किया गया! जिसमे सर्वप्रथम संस्था सचिव युधिष्ठिर चानसी ने प्रो स्कोप परियोजना के तहत आगामी पाँच वर्षो तक संचालित की जाने वाली गतिविधियो के संदर्भ मे बताया! तत्पश्चात कट्स जयपुर से कार्यक्रम अधिकारी, राजदीप पारिक द्वारा महिलाओ एवं किसानो को जैविक खाद का महत्व व रासायनिक खाद से होने वाले दुष्प्रभावो को प्रतिभागियो से संवाद स्थापित कर उनके प्रभाव बताये, ब्लेक बोर्ड के माध्यम से जैविक पोषण वाटिका स्थापित करने की विधि एवं सावधानियाँ बताई मौसम के आधार पर सब्जियों का चयन करना बताया! कहा कि एक पोषण वाटिका प्रत्येक घर मे स्थापित हो ताकि परिवार स्वास्थ एवं पर्यावरण लाभ ले सकते है साथ ही मौखिक प्रश्नोत्तरी द्वारा महिलाओ का क्षमतावरुन ज्ञान बढ़ाया! इसी प्रकार से दूसरे दिन महेंद्र मीना एल एस पी राजीविका द्वारा सरकार द्वारा संचालित योजनाओ की जानकारया उपलब्ध कराई, राजकीय पशु चिकित्सालय, मानसगाँव के डा मोह.असलम द्वारा पशु ओ मे वर्तमान मे हो रही बीमारियों के उपचार संबंधित जानकारीया दी जैविक खाद बनाने की विधि बताई और कहा की अगर हमे जैविक खेती अपनाना है तो पशु पालन प्रथम कड़ी है! जैविक खेती कर रहे प्रगति शील किसान राम निवास राठौर ने वर्मीवाश बनाने की विधि व सब्जियों मे होने वाले रोगों के उपचार बताये महेंद्र सैनी एवं वर्षा सैनी द्वारा स्वय सहायता समूह द्वारा तयार किचन गार्डन का अवलोकन कराया, अंत मे सभी प्रतिभागियो को बीज कीट वितरित किये गये!

महिलाओं ने सीखा पोषण वाटिका का महत्व

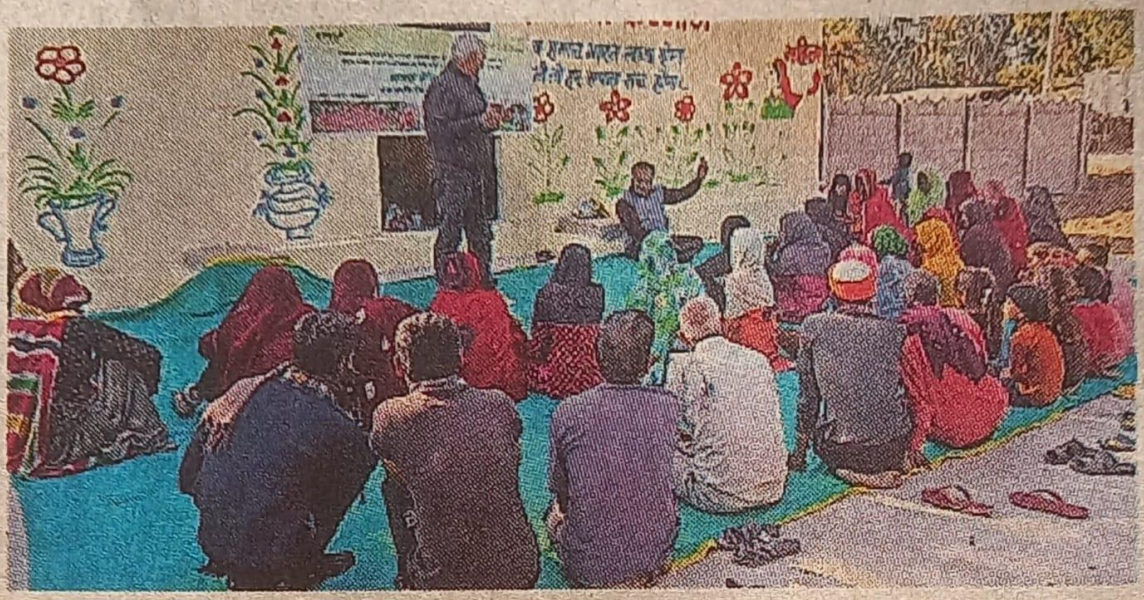

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

कट्स मानव विकास केंद्र द्वारा जैविक खेती जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत नवाबपुरा गांव में पोषण वाटिका प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण में संदर्भ व्यक्ति सीताफल उत्कृष्ट केंद्र के उपनिदेशक राजाराम सुखवाल ने महिलाओं को पोषण वाटिका के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खेती बाड़ी में रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाओं का अंधाधुंध प्रयोग करने से हमारी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है जिसके लिए हमें अभी से सावधान होने की जरूरत है। कट्स के सहायक केंद्र समन्वयक मदनगिरी गोस्वामी ने बताया कि जिले में जैविक खेती जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत भदेसर तहसील के सुखवाड़ा और नवापुरा गांव को जैविक मॉडल गांव बनाया जाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में कट्स की गायत्री मोड ने महिला किसानों का जैविक क्लब बनाकर महिलाओं को पोषण वाटिका लगाने के लिए धनिया टमाटर मोगरी पालक के बीज वितरित कर महिलाओं को बोने की विधि भी बताई। जैविक क्लब के अध्यक्ष के रूप में कमला रायका को सर्व सम्मति से चुना गया।

प्रजापत सभा

दस गुणा दस मीटर की जगह से महिलाए कमा सकती है सात हजार दो सो रुपए-राजदीप

जोधाणा अबतक न्यूज़

बालेसर। यदि ग्रामीण क्षैत्र की महिलाए पांच क्यारी में पोषण वाटिका लगाकर उसमे सब्जियां और फ्लदार पौधे लगाती है तो परिवार के लिए सात हजार दो सो की सब्जी और फ्ल पैदा कर सकती है।साथ ही पूरे परिवार को वर्षभर ताजा और शुद्ध सब्जियां उपलब्ध होगी जिससे परिवार के स्वास्थ्य में सुधार होगा। उक्त विचार कट्स जयपुर के राजदीप पारीक ने बालरवा ग्राम पंचायत के जुगत सिंह नगर गांव में आयोजित पोषण वाटिका प्रशिक्षण के दौरान व्यक्त किए।

मरुधर गंगा सोसायटी के भरत कुमार भाटी ने बताया की कट्स जयपुर एवम स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के सहयोग से प्रोस्कॉप परियोजना जो की राजस्थान के 12 जिलों में संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत सभी जिलों में मॉडल जैविक गांव बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान भरत भाटी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया की पोषण वाटिका प्रशिक्षण के माध्यम से जैविक ग्राम बनाने की दिशा में सभी घरों में पोषण वाटिका विकसित करवाई जाएगी। राजदीप ने किसानो को जैविक खेती के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं एवं कीट प्रबंधनए रोग प्रबंधनए पोषण प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी। कानाराम ने सभी प्रतिभागियों को जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओ को सब्जियों की पौध तैयार करने एवम पोषण वाटिका की रूपरेखा बनाने का प्रदर्शन भी किया गया तथा सभी महिलाओ को सब्जियों के बीज वितरित किए गए। प्रशिक्षण को आयोजित करवाने में श्रीरामए धन्नाराम आदि का सहयोग रहा। कार्यशाला में जुगतसिंह नगर गांव की गुड्डीए पूजाए संगीताए सहित 50 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

रामदेवरा में शुरू हुआ सफाई अभियानए हरियाणा के 150 सेवादार कर रहे है सफाई

जोधाणा अबतक न्यूज़

रामदेवरा। कस्बे में नववर्ष के अवसर पर धार्मिक स्थल रामदेवरा में हरियाणा के सेवादारों द्वारा विशाल सफाई अभियान चलाया जा रहा हैए जिसमे पूरे कस्बे की सफाई की जा रही है। हरियाणा के बाबा रामदेव मन्दिर हरिपुरा धाम ;फ्तेहाबादद्ध के सेवादारों द्वारा धार्मिक स्थल रामदेवरा में पिछले पांच वर्ष से लगातार हर वर्ष नए साल के अवसर पर सफाई अभियान चलाया जाता है। इस वर्ष भी सात दिवसीय सफाई अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत सफाई की जा रही है। हरिपुरा धाम के श्री बाबा रामदेव वेलफेयर ट्रस्ट के मोहन लाल सैनी और भगत राजेन्द्र के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान में 150 सेवादार शामिल है। इनके द्वारा परचा बावड़ीए रामसरोवर तालाब मेंए सरोवर की पालए घाटों और विश्राम गृहों की सफाई की जा रही है। इस अभियान में सफाई करके ट्रैक्टरों की सहायता से कचरे को कस्बे से बाहर डाला जा रहा है।